



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 904]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 30, 2003/आश्विन 8, 1925

No. 904]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 30, 2003/ASVINA 8, 1925

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

(केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2003

आय-कर

का०आ० 1145(अ).— केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295

द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम, 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित

नियम बनाता है, अर्थात् :-

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (बाईसवां संशोधन) नियम, 2003 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त हुए होंगे ।

2. आय-कर नियम, 1962 में,-

(क) भाग 6क में,-

(अ) नियम 37ग और 37घ के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखे जाएंगे, अर्थात् :-

“ धारा 206ग (1क) के अधीन स्रोत पर कर का संग्रहण न किए जाने के लिए क्रेता द्वारा घोषणा

37ग. (1) धारा 206 ग की उपधारा (1क) के अधीन इस आशय कि घोषणा कि उस

धारा की उपधारा (1) की सारणी में निर्दिष्ट किसी माल का, वस्तुओं या चीजों के

विनिर्माण, प्रसंस्करण या उत्पादन के प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाना है और व्यावसायिक प्रयोजनों के लिए नहीं, प्ररूप सं. 27ग में होगी और उसमें उपदर्शित रीति में सत्यापित की जाएगी।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट घोषणा कर संग्रह करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति को दो प्रतियों में दी जाएगी।

(3) उपनियम (2) में निर्दिष्ट व्यक्ति उपनियम (1) में निर्दिष्ट घोषणा की एक प्रति मुख्य आयुक्त या आयुक्त को उस मास से, जिसमें उसे घोषणा दी जाती है, ठीक आगामी मास के सातवें दिन को या उससे पूर्व परिदत्त करेगा या परिदत्त करवाएगा।

स्पष्टीकरण :- उपनियम (3) के प्रयोजनों के लिए मुख्य आयुक्त या आयुक्त से वह मुख्य आयुक्त या आयुक्त अभिप्रेत है जिसका उपनियम (2) में निर्दिष्ट व्यक्ति का निर्धारण करने की अधिकारिता रखनेवाला निर्धारण अधिकारी अधिनस्थ है।

धारा 206ग के अधीन स्रोत पर संग्रहीत कर का सरकारी खाते में संदाय का समय और ढंग

37गक. (1) धारा 206 ग की उपधारा (1) के उपबंधों के अनुसार संग्रहीत सभी राशियां उस मास जिसमें संग्रहण किया जाता है के अंतिम दिन से एक सप्ताह के भीतर केन्द्रीय सरकार के खाते में संदत्त की जाएंगी।

(2) धारा 206 ग की उपधारा (1) के अधीन संग्रह करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति केन्द्रीय सरकार के खाते में इस प्रकार संग्रहीत कर की रकम का आय कर चालान के साथ भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक या किसी प्राधिकृत बैंक की किसी शाखा में उपधारा (1) में विहित समय के भीतर उसे विप्रेषित करते हुए संदाय करेगा :

परंतु यह है कि जहां संग्रहण केन्द्रीय सरकार द्वारा या उसकी ओर से किया जाता है वहां रकम चालान बिना पेश किए पूर्वोक्त समय के भीतर और पूर्वोक्त रीति में जमा किया जाएगा।

धारा 206ग (5) के अधीन स्रोत पर कर के संग्रहण के लिए प्रमाण पत्र

37घ. (1) धारा 206ग की उपधारा (1) के अधीन स्रोत पर कर संग्रह करने वाले किसी व्यक्ति द्वारा दिया जाने वाला उस धारा की उपधारा (5) के अधीन स्रोत पर कर के संग्रहण का प्रमाण पत्र प्ररूप सं. 27घ में होगा।

(2) उपधारा (1) में निर्दिष्ट प्रमाण पत्र उस मास की समाप्ति जिसके पूर्व यथास्थिति रकम क्रेता के खाते में विकलित की जाती है या संदाय क्रेता से प्राप्त किया जाता है, से एक मास की अवधि के भीतर दिया जाएगा :

परंतु यह है कि जहां प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में 30 सितंबर और 31 मार्च को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत स्रोत पर संग्रहीत कर के लिए किसी क्रेता को एक से अधिक प्रमाण पत्र दिया जाना अपेक्षित है वहां ऐसे क्रेता से अनुरोध पर कर संग्रहण करने वाला व्यक्ति ऐसी अवधि की समाप्ति से एक मास के भीतर ऐसी संपूर्ण अवधि के दौरान संग्रहीत कर के लिए प्ररूप सं. 27घ में एक समेकित प्रमाण पत्र जारी कर सकेगा ।

(3) जहां किसी मामले में इस नियम के अधीन जारी किया गया स्रोत पर संग्रहीत कर के लिए प्रमाण पत्र गुम हो जाता है वहां स्रोत पर कर संग्रह करने वाला व्यक्ति प्ररूप सं. 27घ में यथा अंतर्विष्ट आवश्यक ब्यौरे देते हुए सादे कागज पर स्रोत पर कर के संग्रहण के प्रमाण पत्र की दूसरी प्रति जारी कर सकेगा ।

(4) उपनियम (3) में निर्दिष्ट प्रमाण पत्र की दूसरी प्रति के आधार पर स्रोत पर संग्रहीत कर खाते जमा करने के पूर्व निर्धारण अधिकारी मुख्य आयुक्त या आयुक्त द्वारा इस निमित्त अभिहित निर्धारण अधिकारी से संदाय प्रमाणित करवाएगा और निर्धारिती से क्षतिपूर्ति बंधपत्र भी अभिप्राप्त करेगा ।

(आ) नियम 37ड में “प्ररूप सं. 27ड”पद के पश्चात् “ उस अवधि जिसके लिए विवरणी का फाइल किया जाना अपेक्षित है की समाप्ति से एक मास के भीतर” शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे :

(ख)परिशिष्ट 2 में प्ररूप सं. 27ग और प्ररूप सं. 27 घ के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रखे जाएंगे, अर्थात्:-

“ प्ररूप सं. 27ग

[नियम 37ग देखिए]

कर के संग्रहण बिना माल अभिप्राप्त करने के लिए किसी क्रेता द्वारा की जाने वाली आयकर अधिनियम,

1961 की धारा 206ग की उपधारा (1क) के अधीन घोषणा

भाग - 1

मैं/हम.....पुत्र/पुत्री/पत्नी.....का निवासी..... @ घोषणा करता हूँ/करते हैं--

1. कि *मेरा/हमारा विद्यमान व्यवसाय..... है :

2. कि.....का वस्तुओं या चीजों के *विनिर्माण/प्रसंस्करण/उत्पादन
(धारा 206ग की उपधारा (1) की सारणी में निर्दिष्ट माल की प्रकृति)

के प्रयोजन के लिए उपयोग किया जाना है और व्यवसायिक प्रयोजनों के लिए नहीं ;

3. कि *मैं/हम निर्धारण अधिकारी.....सर्कल/वार्ड द्वारा आय

कर से निर्धारिती हूँ/हैं और मुझे आबंटित स्थायी खाता सं. है ;

या

कि * मैं/हम निर्धारण अधिकारी.....सर्कल/वार्ड द्वारा निर्धारण वर्ष.....

.....के लिए आय कर के लिए अंतिम बार निर्धारित किया गया था/किए गए थे और मुझको

आबंटित स्थायी खाता सं. है ;

या

कि मैं/हम पिछले किसी समय पर आय कर के लिए निर्धारित नहीं किया गया हूँ/किए गए हैं किन्तु मैं आय

कर.....मुख्य आयुक्त या आयुक्त की अधिकारिता के अंतर्गत आता हूँ/आते हैं ।

.....
** घोषणाकर्ता के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं/हम.....यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान

और विश्वास के अनुसार जो उपरोक्त कथन किया गया है सही, पूर्ण और सत्यतापूर्वक कथन किया गया है ।

सत्यापन आज,तारीख.....को किया गया ।

स्थान

.....
घोषणाकर्ता के हस्ताक्षर

टिप्पण :

1. @पूरा डाक पता दीजिए।
2. घोषणा दो प्रतियों में दी जानी चाहिए ।
3. *जो लागू न हो उसे काट दें ।

4. **वह प्रास्थिति उपदर्शित करें जिसमें घोषणा हिंदू अविभक्त कुटुंब/व्यक्तियों का संगम, फर्म आदि की ओर से दी गई है।
5. सत्यापन पर हस्ताक्षर करने के पूर्व घोषणकर्ता का स्वयं का यह समाधान हो जाना चाहिए कि घोषणा में दी गई सूचना सत्य, ठीक और सभी प्रकार से पूर्ण है। घोषणा में मिथ्या कथन करने वाला कोई व्यक्ति आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 277 के अधीन अभियोजन के लिए दायी होगा और दोषसिद्धि पर निम्नलिखित से दंडनीय होगा —
 - (i) उस दशा में जहां अपवंचना के लिए चाहा गया कर एक लाख रुपए से अधिक है कठोर कारावास से जो छह मास से कम नहीं होगा किन्तु जो सात वर्ष तक बढ़ाया जा सकेगा और जुर्माने से ;
 - (ii) किसी अन्य दशा में कठोर कारावास से जो तीन मास से कम नहीं होगा किन्तु जो तीन वर्ष तक बढ़ाया जा सकेगा और जुर्माने से।

भाग 2

(उस व्यक्ति द्वारा उपयोग जिसको घोषणा दी जाती है)

1. पैरा 2 में निर्दिष्ट माल के विक्रय के समय पर कर संग्रह के लिए उत्तरदायी व्यक्ति का नाम और पता।
2. वह तारीख जिसको घोषणाकर्ता द्वारा घोषणा दी गई थी।
3. क्रेता के खाते में क्रेता द्वारा संदेय रकम के विकलित करने या नकद या बैंक या ड्राफ्ट के जारी करने के द्वारा या किसी अन्य ढंग से संदेय रकम की प्राप्ति की तारीख।

आय करके मुख्य आयुक्त या आयुक्त को अग्रेषित
स्थान.....

तारीख.....

.....
पैरा 2 में निर्दिष्ट माल के
विक्रय के समय पर कर
संग्रह के लिए उत्तरदायी
व्यक्ति के हस्ताक्षर

प्ररूप सं. 27घ

(नियम 37घ देखिए)

आय कर अधिनियम 1961 की धारा 206ग की उपधारा (5) के अधीन स्रोत पर कर

के संग्रहण का प्रमाण पत्र

[मानव के उपभोग के लिए एल्कोहालिकर ; तेंदू पत्ते ; वन के पट्टे के अधीन अभिप्राप्त काष्ठ ; वन के पट्टे के अधीन अभिप्राप्त काष्ठ से भिन्न किसी ढंग से अभिप्राप्त काष्ठ ; अन्य कोई वन उपज जो कि काष्ठ या तेंदू पत्ता नहीं हैं ; स्क्रेप से स्रोत पर कर के संग्रहण के लिए]

कर संग्रह करने वाले व्यक्ति का नाम और पता	सर्कल जहां विवरणी धारा 206 ग(5क) के अधीन परिदत्त की जानी है	क्रेता का नाम और पता
कलक्टर का कर संग्रहण खाता सं.	धारा 206ग(1) की सारणी में	क्रेता का पैन/जीआईआर सं.
कलक्टर का पैन/जीआईआर सं.	निर्दिष्ट माल की प्रकृति	से तक की अवधि के लिए

संदाय, कर संग्रहण और केन्द्रीय सरकार के खाते में कर के निक्षेप के बारे

वह तारीख जिसको क्रेता के खाते में रकम प्राप्त/विकलित की गई	क्रेता के खाते में प्राप्त/विकलित रकम	वह दर जिसपर संग्रहण किया गया	संग्रहीत आय कर की रकम		केन्द्रीय सरकार के खाते में कर के निक्षेप की तारीख और चालान सं.	बैंक और शाखा का नाम जहां कर निक्षेप किया गया है
			कर (रु.)	अधिभार (रु.)		

प्रमाणित किया जाता है कि.....रुपए (रुपए.....शब्दों में) की राशि स्रोत का संग्रहीत की गई है और ऊपर दिए गए व्यौरों के अनुसार केन्द्रीय सरकार के खाते में सन्दत की गई है।

स्थान.....

कर के संग्रह के लिए

उत्तरदायी व्यक्ति के हस्ताक्षर

तारीख.....

पूरा नाम.....

पदनाम.....

[अधिसूचना सं० 239/2003/फा० सं० 142/40/2003/टीपीएल]

डी०पी० सेमवाल, निदेशक

टिप्पण : मूल नियम अधिसूचना सं० का०आ० 969(अ) तारीख 26 मार्च, 1962 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और आय-कर (इकीसवां संशोधन) नियम, 2003 अधिसूचना सं० 226/2003 तारीख 25-9-2003 के अधीन अंतिम संशोधन किया गया।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2003

INCOME-TAX

S.O. 1145(E).— In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely:-

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Twenty-Second Amendment) Rules, 2003.
- (2) They shall come into force from the date of publication in the Official Gazette.
2. In the Income-tax Rules, 1962, -
 - (a) in Part VIA,-
 - (A) for rules 37C and 37D, the following rules shall be substituted, namely:-

“ Declaration by a buyer for no collection of tax at source under section 206C(1A). ”

37C. (1) A declaration under sub-section (1A) of section 206C to the effect that any of the goods referred to in the Table in sub-section (1) of that section are to be utilised for the purposes of manufacturing, processing or producing articles or things and not for trading purposes shall be in Form No. 27C and shall be verified in the manner indicated therein.

(2) The declaration referred to in sub-rule (1) shall be furnished in duplicate to the person responsible for collecting tax.

(3) The person referred to in sub-rule (2) shall deliver or cause to be delivered to the Chief Commissioner or Commissioner, one copy of the declaration referred to in sub-rule (1) on or before the seventh day of the month next following the month in which the declaration is furnished to him.

Explanation.- For the purposes of sub-rule (3), the Chief Commissioner or Commissioner means the Chief Commissioner or Commissioner to whom the Assessing Officer, having jurisdiction to assess the person referred to in sub-rule (2), is subordinate.

Time and mode of payment to Government account of tax collected at source under section 206C.

37CA. (1) All sums collected in accordance with the provisions of sub-section (1) of section 206C shall be paid to the credit of the Central Government within one week from the last day of the month in which the collection is made.

(2) The person responsible for making collection under sub-section (1) of section 206C shall pay the amount of tax so collected to the credit of the Central Government by remitting it within the time prescribed in sub-rule (1) into any branch of the Reserve Bank of India or of the State Bank of India or of any authorised bank accompanied by an income-tax challan:

Provided that where the collection is made by or on behalf of the Government, the amount shall be credited within the time and in the manner aforesaid without the production of a challan.

Certificate for collection of tax at source under section 206C(5).

37D. (1) The certificate of collection of tax at source under sub-section (5) of section 206C to be furnished by any person

collecting tax at source under sub-section (1) of that section shall be in Form No. 27D.

(2) The certificate referred to in sub-rule (1) shall be furnished within a period of one month from the end of the month during which the amount is debited to the account of the buyer or payment is received from the buyer, as the case may be:

Provided that where more than one certificate is required to be furnished to a buyer for tax collected at source in respect of the period ending on the 30th September and the 31st March in each financial year, the person collecting the tax, may on request from such buyer, issue within one month from the end of such period, a consolidated certificate in Form No. 27D for tax collected during whole of such period.

(3) Where in a case, the certificate for tax collected at source issued under this rule is lost, the person collecting tax at source may issue a duplicate certificate of collection of tax at source on a plain paper giving necessary details as contained in Form No. 27D.

(4) The Assessing Officer before giving credit for the tax collected at source on the basis of duplicate certificate referred to in sub-rule (3), shall get the payment certified from the Assessing Officer designated in this behalf by the Chief Commissioner or Commissioner and shall also obtain an Indemnity Bond from the assessee.”;

(B) in rule 37E, after the expression “Form No.27E”, the words “within one month from the end of the period for which the return is required to be filed” shall be inserted;

(b) in Appendix II, for Form No. 27C and Form No. 27D, the following Forms shall be substituted, namely:-

“FORM NO.27C

[See rule 37C]

Declaration under sub-section (1A) of section 206C of the Income-tax Act, 1961 to be made by a buyer for obtaining goods without collection of tax

PART I

I/We*,*son/daughter/wife of, resident of @,
do hereby declare –

1. that *my/our present occupation is,
2. that is to be utilised for
[nature of the goods referred to in the Table in sub-section (1) of section 206C]
the purpose of *manufacturing/processing/producing articles or
things and not for trading purposes;
3. that *I am/we are assessed to income-tax by the Assessing Officer
..... Circle/Ward and the permanent account number allotted to me
is;

OR

that *I was/we were last assessed to income-tax for the assessment
year by the Assessing Officer Circle/Ward and the
permanent account number allotted to me is;

OR

that *I/we have not been assessed to income-tax at any time in the
past but I fall within the jurisdiction of the Chief Commissioner of
Commissioner of Income-tax

.....
**Signature of the
declarant

Verification

*I/We do hereby declare that to the best of *my/our knowledge and
belief what is stated above is correct, complete and is truly stated.

Verified today, the day of
Place

.....
Signature of the declarant

Note:

1. @ Give complete postal address.
2. The declaration should be furnished in duplicate.
3. *Delete whichever is not applicable.
4. ** Indicate the capacity in which the declaration is furnished on
behalf of a Hindu undivided family, association of persons, firm etc.
5. Before signing the verification, the declarant should satisfy himself
that the information furnished in the declaration is true, correct and
complete in all respects. Any person making a false statement in the
declaration shall be liable to prosecution under section 277 of the
Income-tax Act, 1961, and on conviction be punishable -

- (i) in a case where tax sought to be evaded exceeds one lakh rupees, with rigorous imprisonment which shall not be less than six months but which may extend to seven years and with fine;
- (ii) in any other case, with rigorous imprisonment which shall not be less than three months but which may extend to three years and with fine.

PART II

[FOR USE BY THE PERSON TO WHOM THE DECLARATION IS FURNISHED]

1. Name and address of the person responsible for collecting tax at the time of the sale of the goods referred to in paragraph 2.
2. Date on which the declaration was furnished by the declarant.
3. Date of debiting of the amount payable by the buyer to the account of the buyer or receipt of the amount payable from the buyer in cash or by issue of a cheque or draft or by any other mode.

Forwarded to the Chief Commissioner or Commissioner of Income-tax.

Place

Date

.....
Signature of the person responsible
for collecting tax at the time of the
sale of the goods referred to in
paragraph 2.

FORM NO.27D

[See rule 37D]

**Certificate of collection of tax at source under sub-section (5) of
section 206C of the Income-tax Act, 1961**

[For collection of tax at source from alcoholic liquor for human consumption; tendu leaves; timber obtained under a forest lease; timber obtained by any mode other than under a forest lease; any other forest produce not being timber or tendu leaves; scrap]

Name and address of the person collecting tax: 	Circle where return under section 206C(5A) is to be delivered 	Name and address of the buyer
TAX COLLECTION A/C NO. OF THE COLLECTOR	Nature of Goods referred to in the Table in section 206C(1)	PAN/GIR NO. OF THE BUYER:
PAN/GIR NO. OF THE COLLECTOR:		FOR THE PERIOD : To

**DETAILS OF PAYMENT, TAX COLLECTION AND DEPOSIT OF TAX INTO
CENTRAL GOVERNMENT ACCOUNT**

Date on which amount received/ debited to the account of buyer	Amount received/ debited to the account of buyer (Rs.)	Rate at which collected (%)	Amount of income-tax collected		Date and Challan No. of deposit of tax into Central Government Account	Name of the bank and branch where tax deposited
			Tax (Rs.)	Surcharge (Rs.)		

Certified that a sum of Rs. (Rupeesin words) has been collected at source and paid to the credit of the Central Government as per details given above.

Place

Signature of the person responsible for collection of tax

Date

Full Name
Designation

[Notification No. 239/2003/F. No. 142/40/2003-TPL]

D. P. SEMWAL, Director

Note.- The principal rules were published vide Notification No.S.O.969(E), dated the 26th March, 1962 and last amended by Income-tax (Twenty-First Amendment) Rules, 2003 vide Notification No.226/2003 dated the 25.9.2003.